CBCS HONOURS

Course Outcome for

CC -1: हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

इकाई - एक

- हिन्दी साहित्येतिहास - लेखन की परम्परा
- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण

इकाई - दो

- आदिकाल - परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ , प्रमुख कवि एवं कृतियाँ
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य

इकाई - तीन

- भक्तिकाल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख काव्य धाराएँ - संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

इकाई - चार

- रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख काव्य धाराएँ - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

COURSE OUTCOMES(POS)

- विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कालखंड, हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं की समग्र जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल तक की काव्य-प्रवृत्तियों को जान सकेंगे । साथ ही इस कालखंड के सभी कवियों से परिचित हो सकेंगे ।
- विद्यार्थी सूफ़ी काव्य धारा, सगुण काव्य-धारा तथा उसके अंतर्गत राम-भक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा का सैद्धांतिक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।

CBCS HONOURS

Course Outcome for

CC - 2 : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई - एक

- **भाषा : परिभाषा , विशेषताएँ , भाषा परिवर्तन के कारण , भाषा और बोली**
- **भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध**

इकाई - दो

- **स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण : स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण**
- **वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा ,वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण**

इकाई - तीन

- **अर्थ विज्ञान : अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ**
- **अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली हिन्दी का विकासात्मक परिचय**

इकाई - चार

- **राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी**
- **देवनागरी लिपि - उद्भव, विकास और विशेषताएँ**

COURSE OUTCOMES(POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाने में सक्षम होता है।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

C C- 3 : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

इकाई - एक

- विद्यापति (विद्यापति - डॉ शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन) :

पद - माधव , बहुत मिनती कर तोय (3), नन्दक नन्दक कदम्बरेरि तरुतरे (8), मधु रितु मधुकर पाँति, मधुर कुसुम मधु माति (49), सखि मोर पिया, अबहूँ न आओल कुलिस हिया (62), फुटल कुसुम नव कुञ्ज कुटिर बन, कोकिल पंचम गाबे रे (65), माधव हमार रहल दुरदेस (80), सरसिज विनु सर ,सार विनु सरसिज (83)

- कबीर (कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - राजकमल प्रकाशन) : पद - मोकों कहाँ ढूढ़े बन्दे (1), अवधू, माया तजी न आई (5), अनगढ़िया देवा, कौन करे तेरी सेवा (13), मन, तू पार उतर कहँ जैहौ (20), गगन घटा घहरानी साधो , गगन घटा घहरानी(87), साधो,देखो जग, वौराना (168), खेल ले नैहरवा दिन चार (218)

इकाई - दो

- जायसी - पद्मावत (नागमती वियोग खण्ड -सं.वासुदेवशरण अग्रवाल) :

पद - नागमती चितउर पंथ हेरा (341), पिउ वियोग अस बाउर जीऊ (342), चढ़ा असाढ़ गगन घर गाजा (344), पूस जाड़ थरथर तन काँपा (350), फागुन पवन झकोरे बहा (352), भा बैसाख तपनि अति लागी(354), कुहकि कुहकि जसि कोइलि रोई (359)

- सूरदास - (भ्रमरगीतसार - सं. रामचंद्र शुक्ल) :

पद - आयो घोष बड़ो व्योपारी (23), बिलग जनि मानहु, उधो प्यारे(38), अँखिया हरि दरसन को भूखी (42), अलि हो ! कैसे कहौं हरि के रूप रसहि(51), हमारे हरि हारिल की लकरी (52),निर्गुन कौन देस को बासी (64),, ऊधो ! ब्रज की दशा बिचारौ (109)

इकाई - तीन

- तुलसीदास - विनयपत्रिका (सं.एवं टीकाकार वियोगी हरि) :

पद - ऐसी मूढ़ता या मन की (90) , जाउँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे (101) , हरि तुम बहुत अनुग्रह कीन्हों (102) , अबलौं नसानी अब न नसैहों (105) , केशव! कहि न जाइ का कहिये (111) , केसव ! कारन कौन गुसाई (112) , ऐसो को उदार जग माहीं (162)

- मीराबाई : मीराबाई की पदावली (सं. - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी) :

पद - मण थें परस हरि रे चरण (1), तनक हरि चितवाँ म्हारी ओर (5), म्हाराँ री गिरधर गोपाल दूसराँ णाँ कूयाँ (18), मैं तो गिरधर के घर जाऊँ (20), मीरा मगन भई हरि के गुण गाय(41), हेरी म्हा तो दरद दिवाँणी म्हाराँ दरद न जाण्याँ कोय (70), म्हाँरो जणम जणम रो साथी (105)

इकाई - चार

- बिहारी (रीतिकाव्य संग्रह - जगदीश गुप्त) :
- - मेरी भव-बाधा हरौ(1), नीकी दई अनाकनी(2), फिरि-फिरि चितु उत ही रहतु (3), जोग-जुगति सिखए सबै (4), झीनै पट मैं झुलमुली (5), लग्यो सुनुन हवै है (6), अजौ तर यौना

हीं रहयौ (7), जम-करि-मुँह-तरहरि परयौ (8), तो पर बारौं उरबसी (9), लौनै मुहु दीठी न लगै(10), कहत,नटत ,रीझत ,खिझत (11), कौन भाँति रहिहै बिरदु (12), नहिं परागु नहिं मधुर मधु (13), कब को टैरतु दीन रट(19), तंत्री- नाद कवित्त -रस (22)

- **घनानंद (रीतिकाव्य संग्रह - जगदीश गुप्त) :**

पद - रावरो रूप की रीति अनूप (3), प्रेम को महोदधि अपार हेरि कै (4) , पीरी पीरी देह छीनी (7),स्याम घटा लपटी थिर बीज (14), एरे बीर पौन !तेरोसबै ओर गौन (16), कारी कूर कोकिला ! कहाँ क बरै काढ़ति (17) , अति सूधो सनेह को मारग है (23)

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी के प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई आदि के कविताओं को पढ़कर समाज की लोक-कल्याणकारी भावना, भक्ति का सामाजिक परिप्रेक्ष्य जैसे ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

C C - 4: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई - एक

- आधुनिक काल - पृष्टभूमि (राजनीतिक , सामाजिक , सांस्कृतिक)
- हिन्दी नवजागरण - अवधारणा, मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ) , नवजागरण की प्रवृत्तियाँ
- भारतेंदु युग - परिस्थितियाँ , प्रवृत्तियाँ , प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ

इकाई - दो

- द्विवेदी युग - परिस्थितियाँ , प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ
- छायावाद - उद्भव, विकास, ऐतिहासिक पृष्टभूमि, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद - परिस्थितियाँ, वैचारिक पृष्टभूमि, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

इकाई - तीन

- प्रयोगवाद - परिस्थितियाँ, वैचारिक पृष्टभूमि, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ
- नई कविता - परिस्थितियाँ, वैचारिक पृष्टभूमि, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ
- समकालीन कविता - परिस्थितियाँ, वैचारिक पृष्टभूमि, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

इकाई - चार

- हिन्दी गद्य - पृष्टभूमि और विकास
- उपन्यास ,कहानी , नाटक, निबंध, एकांकी का उद्भव और विकास
- आलोचना और अन्य गद्य-रूप (यात्रा- वृत्तांत, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, आत्मकथा)- उद्भव और विकास

COURSE OUTCOMES (POS)

- विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में आधुनिक काल की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में आधुनिक काल के प्रमुख काव्य-आंदोलनों से परिचित होंगे साथ ही उन काव्य-आंदोलनों की प्रमुख प्रवृत्तियों को जान पाएंगे।

CBCS HONOURS

Course Outcome for

C C - 5: आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

इकाई - एक

- **भारतेंदु - प्रताप समीरन , भारत दुर्दशा (गीत), बसंत, दशरथ -विलाप**
- **हरिऔध - पवनदूत प्रसंग ('प्रियप्रवास' के षष्ठ सर्ग से छंद संख्या- 26 से 35 तक)**

इकाई - दो

- **मैथिलीशरण गुप्त - यशोधरा (चुने हुए अंश), महाभिनिष्क्रमण , सखि वे मुझसे कहकर जाते ..5, 6 ,7 ,8 ,9**
- **रामनरेश त्रिपठी - कामना, अतुलनीय जिनके प्रताप का, पुष्प विकास (कविता कोश से संग्रहित)**

इकाई - तीन

- **जयशंकर प्रसाद - हिमाद्री तुंग श्रृंग से, मेरे नाविक, इतना न चमत्कृत हो बाले**
- **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - सरोज स्मृति, बादल राग -6, स्नेह निर्झर बह गया**

इकाई - चार

- **सुमित्रानंदन पंत - नौका विहार, ताज, द्रुत झरो**
- **महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दु:ख की बदली, धीरे धीरे उतर क्षितिज से, सब आँखों के आँसू उजले**

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी के भारतेन्दु-युगीन, द्विवेदी-युगीन, छायावाद-युगीन कवियों की कविताओं से परिचित हो सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी छायावाद-युगीन प्रमुख कवियों - प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी की प्रसिद्ध कविताओं का गहन रूप में अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

CC- 6: प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई - एक

- **प्रयोजनमूलक हिन्दी - अभिप्राय, उपयोगिता और महत्व**
- **हिन्दी के विभिन्न रूप - बोलचाल की सामान्य हिन्दी , मातृभाषा, संपर्क भाषा , राजभाषा, मानक हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी**

इकाई - दो

- **हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र - भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता प्रकार और शैली**
- **प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार - कार्यालयी हिन्दी, वैज्ञानिक हिन्दी, व्यवसायिक हिन्दी, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र, कंप्यूटर, इन्टरनेट) की हिन्दी और उनके प्रमुख लक्षण**

इकाई - तीन

- **भाषा व्यवहार - सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन, सरकारी अथवा व्यवसायिक पत्र लेखन**
- **हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण : प्रक्रिया एवं प्रस्तुति**

इकाई - चार

- **हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता - अर्थ, अवधारणा और महत्व**
- **स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी पत्रकारिता - परम्परा, परिचय और प्रवृत्तियाँ**
- **समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता - परिचय और प्रवृत्तियाँ**

COURSE OUTCOMES

- **विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी को पढ़ते हुए उसके विभिन्न प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे।**
- **विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन करते हुए मातृभाषा एवं भाषा के विविध रूपों को जान एवं समझ सकेंगे।**
- **विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का अध्ययन करते हुए राजभाषा अधिनियम, राजभाषा संकल्प, संविधान में हिंदी की स्थिति आदि के बारे में जान सकेंगे।**
- **प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन करते हुए कार्यालयी हिंदी, पत्राचार, पारिभाषिक शब्दावली इत्यादि के संबंध में ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।**
- **साहित्यिक पत्रकारिता के प्रमुख युग की पत्रकारिता का विशेष अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन , प्रेमचंद युगीन, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता का गहन अध्ययन कर अपनी आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

C C - 7: हिन्दी कहानी

इकाई - एक

- **उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी**
- **पूस की रात - मुंशी प्रेमचंद**
- **आकाश दीप - जयशंकर प्रसाद**

इकाई - दो

- **पाजेब - जैनेन्द्र कुमार**
- **तीसरी कसम - फनीश्वरनाथ रेणु**
- **परिन्दे - निर्मल वर्मा**

इकाई - तीन

- **दोपहर का भोजन - अमरकांत**
- **सिक्का बदल गया - कृष्णा सोवती**

इकाई - चार

- **पिता - ज्ञानरंजन**
- **धुसपैठिऐ - ओमप्रकाश बाल्मीकि**

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत हिन्दी की कहानी परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा की शिल्प को समझ सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कहानी विधा का आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सामाजिक सरोकारों से जुड़ पायेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

CC- 8 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

इकाई - एक

- **रामधारी सिंह दिनकर - कुरूक्षेत्र (केवल षष्ठ सर्ग)**
- **अज्ञेय - साँप, नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की**

इकाई - दो

- **नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद**
- **मुक्तिबोध - चाँद का मुँह टेढ़ा है**

इकाई - तीन

- **रघुवीर सहाय - हँसो-हँसो जल्दी हँसो, स्वाधीन व्यक्ति, अधिनायक**
- **धूमिल - पटकथा**

इकाई - चार

- **भवानी प्रसाद मिश्र - सतपुड़े के जंगल , गीत-फरोश**
- **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - काठ की घंटियाँ, पथराव**

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी की छायावादोत्तर कविता में प्रगतिवादी कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**
- **विद्यार्थी छायावादोत्तरी कविता में प्रयोगवादी, नई कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक पहलुओं को समझ सकेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

CC- 9 : भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई - एक

- **काव्य लक्षण , काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन**
- **रस सिद्धान्त - रस की अवधारण , रस की निष्पति और साधारणीकरण , रसांग**

इकाई - दो

- **ध्वनि सिद्धान्त - ध्वनि की अवधारणा , ध्वनि का वर्गीकरण**
- **अलंकार सिद्धान्त - अलंकार की अवधारणा , अलंकारो का वर्गीकरण , अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय**

इकाई - तीन

- **रीति सिद्धान्त - रीति की अवधारणा , रीति एवं गुण , रीति का वर्गीकरण**
- **वक्रोक्ति सिद्धान्त - वक्रोक्ति की अवधारणा , वक्रोक्ति का वर्गीकरण , वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद**

इकाई - चार

- **औचित्य सिद्धान्त - औचित्य की अवधारणा**
- **काव्य रूप - दृश्यकाव्य (रूपक एवं उपरूपक)**

श्रव्यकाव्य - पद्य , गद्य , चम्पू, प्रबन्ध एवं मुक्तक

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी के भारतीय काव्यशास्त्र परम्परा से अवगत हो सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांतों के विस्तृत ज्ञान को प्राप्त कर साहित्य में उसकी महत्ता एवं उपयोगिता समझ सकेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

CC-10 : हिन्दी उपन्यास

इकाई - एक

- **गबन - मुंशी प्रेमचंद**

इकाई - दो

- **सुनीता - जैनेन्द्र कुमार**

इकाई - तीन

- **महाभोज - मन्नू भंडारी**

इकाई - चार

- **मैला आंचल - फणीश्वरनाथ रेणु**

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत हिन्दी के उपन्यास विधा से परिचित हो सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी उपन्यास विधा के अंतर्गत सम्मिलित उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

CC - 11: हिन्दी नाटक एवं एकांकी

इकाई - एक

नाटक

- **अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र**

इकाई - दो

- **स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद**

इकाई - तीन

- **माधवी - भीष्म साहनी**

इकाई - चार

एकांकी

- **औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा**
- **और वह जा न सकी - विष्णु प्रभाकर**
- **भोर का तारा - जगदीशचंद्र माथुर**

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत नाटक की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्पराओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक के अध्ययन के आधार पर नाट्य-समीक्षा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

CC - 12 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई - एक

- **प्लेटो - काव्य संबंधी मान्यताएँ**
- **अरस्तु - अनुकृति सिद्धान्त , विरेचन सिद्धान्त**

इकाई - दो

- **लोंजाइनस - काव्य में उदात्त की अवधारणा**
- **क्रोचे - अभिव्यंजनावाद**

इकाई - तीन

- **टी .एस . इलियट - परम्परा की अवधारणा, निवैयक्तिकता का सिद्धान्त**
- **आई.ए.रिचर्डस - मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त**

इकाई - चार

- **स्वच्छंदतावाद , यथार्थवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, संरचनावाद**
- **बिम्ब, प्रतीक,फेंटेसी, मिथक**

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी के पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख चिंतकों की विचारधारा, उनके सिद्धांतों के आलोचनात्मक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में प्लेटो, अरस्तू, वड्सवर्थ, क्रोंचे , टी एस इलियट , आई ए रिचर्ड्स के सिद्धांतों का अध्ययन कर अपनी आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे ।**

CBCS

Course Outcome for

CC - 13 : हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई - एक

- रामचंद्र शुक्ल - करूणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी - देवदारू

इकाई - दो

- विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भींग रहा है
- हरिशंकर परसाई - तीसरे दर्जे के श्रध्देय

इकाई - तीन

- आत्मकथा - हरिवंशराय बच्चन : क्या भूलूँ क्या याद करूँ
- जीवनी - अमृत राय : कलम का सिपाही (आरंभ से दो अध्याय)

इकाई - चार

- संस्मरण - महादेवी वर्मा - भक्तिन (स्मृति के रेखाएँ से)
- रेखाचित्र - रामवृक्ष बेनीपुरी - रजिया (माटी की मुरते संग्रह से)
- यात्रा: वृत्तांत - राहुल सांकृत्यायन - अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

COURSE OUTCOMES (POS)

- विद्यार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे साथ ही इस विधा के उद्भव और विकास की जानकारी ग्रहण कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक संबंध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे ।

CBCS

Course Outcome for

C C - 14 : हिन्दी आलोचना

इकाई - एक

- **हिन्दी आलोचना की पृष्टभूमि और परम्परा का विकास**

इकाई - दो

- **भारतेंदु युगीन आलोचना - परिस्थितियाँ, प्रमुख आलोचक एवं उनकी आलोचना दृष्टि**
- **द्विवेदी युगीन आलोचना - परिस्थितियाँ, प्रमुख आलोचक एवं उनकी आलोचना दृष्टि**

इकाई - तीन

- **शुक्ल युगीन आलोचना - परिस्थितियाँ, प्रमुख आलोचक एवं उनकी आलोचना दृष्टि**
- **शुक्लोत्तर युगीन आलोचना -परिस्थितियाँ, प्रमुख आलोचक एवं आलोचना दृष्टि**

इकाई - चार

- **हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टि - रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी , नन्ददुलारे वाजपेयी , रामविलास शर्मा , नामवर सिंह**
- **रसवादी आलोचना , मानोवैज्ञानिक आलोचना , प्रगतिशील आलोचना, नयी समीक्षा , समकालीन आलोचना**

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी की आलोचना की अवधारणा एवं महत्व को जान पायेंगे ।**
- **हिंदी आलोचना के प्रमुख युग की आलोचनात्मक विशेषताओं का अध्ययन कर आलोचना एवम् समीक्षा करने का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन ,शुक्ल युगीन, समकालीन साहित्यिक आलोचना का गहन अध्ययन कर अपनी आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे ।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

SEC- 1 : साहित्य और हिन्दी सिनेमा

इकाई - एक

- **हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा**

इकाई - दो

- **साहित्य और सिनेमा : अन्त:संबंध , सिनेमा और उपन्यास, सिनेमा और कहानी**
- **नई तकनीक और सिनेमा : संभावनाएँ और चुनौतियाँ**

इकाई - तीन

- **फिल्म समीक्षा : आरंभ से 1947 - राजा हरिशचंद्र, अछूत कन्या, देवदास**
- **1947 से 1970 - मदर इण्डिया, तीसरी कसम, नया दौर**
- **1970 से 1990 - बॉबी, शोले, आँधी**

इकाई - चार

1990 से अधतन - तारे जमीन पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस, पान सिंह तोमर, मेरी कॉम, माउन्टेन मैन (दशरथ माझी), पी.के., दंगल

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के भारतीय सिनेमा का इतिहास सहित भारतीय सिनेमा के प्रमुख आयाम से परिचित हो सकेंगे।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन कर पटकथा लेखन, विज्ञापन निर्माण, फिल्म समीक्षा की कला को सीख भविष्य में चलचित्र उद्योग में आगे बढ़ सकेंगे।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से सिनेमा का सामाजिक व्यावसायिक महत्व तथा प्रभाव समझ पायेंगे।**

CBCS HONOURS

Course Outcome for

SEC - 2 : अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

इकाई - एक

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति, अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व
- अनुवाद के प्रकार - शाब्दिक अनुवाद , भावानुवाद , छायानुवाद एवं सारानुवाद

इकाई - दो

- अनुबाद के क्षेत्र - जनसंचार, प्रशासनिक, बैंकिंग, विधि
- विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों से सम्बंधित सामग्री के अनुबाद की सामान्य समस्याएँ

इकाई - तीन

- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ , सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अंतर

इकाई - चार

- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद

शासकीय पत्र / अर्धशासकीय पत्र / परिपत्र (सर्कुलर) / ज्ञापन (प्रेजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश / अधिसूचना / संकल्प--प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा--संविदा / विज्ञापन

COURSE OUTCOMES (POS)

- अनुवाद के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।
- अनुवाद कौशल को विद्यार्थियों में विकसित करना ।
- अनुवाद के माध्यम से भाषा कौशल का विकास करना ।
- अनुवाद के प्रयोग को बढ़ावा देने का प्रयास करना ।
- अनुवाद से जुड़े रोजगार के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना ।

CBCS

Course Outcome for

DSE छायावाद

इकाई - एक

- **जयशंकर प्रसाद - अशोक की चिंता, बीती विभावरी जाग री, प्रलय की छाया**

इकाई - दो

- **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - संध्या सुंदरी तुलसीदास, विधवा**

इकाई - तीन

- **सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, भारत माता , प्रथम रश्मि**

इकाई - चार

- **महादेवी वर्मा - फिर विकल हैं प्राण मेरे, हे चिर महान्, यह दीप अकेला**

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छायावाद युगीन प्रमुख कवियों - प्रसाद, पंत निराला, महादेवी वर्मा की प्रसिद्ध कविताओं को गहन रूप में अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करेगा ।**
- **इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छायावादी विशेषताओं का अध्ययन कर युगीन सामाजिक स्थितियों, प्रकृति तथा मानवीय संवेदनाओं एवम् कला से परिचित हो सकेंगे।**

CBCS

Course Outcome for

DSE प्रेमचंद

इकाई - एक

- **उपन्यास - सेवासदन**

इकाई - दो

- **नाटक - कर्बला**

इकाई - तीन

- **निबंध - साहित्य का उद्देश्य**

इकाई - चार

- **कहानियाँ - पूस की रात , शतरंज के खिलाड़ी , अल्गोझा , ईदगाह , कफ़न**

COURSE OUTCOMES(POS)

- **विद्यार्थी प्रेमचंद साहित्य के अंतर्गत -उपन्यास, नाटक, निबंध, एवं कहानी विधा का आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी प्रेमचंद के कथा साहित्य के अध्ययन से युगीन सामाजिक व साहित्यिक विषयों से परिचित हो अपना वैचारिक तथा बौद्धिक विकास कर सकेंगे।**

CBCS

Course Outcome for

GEC-1 : कला और साहित्य

इकाई - एक

कला और साहित्य का अन्तर्संबंध

कला और समाज का अन्तर्संबंध

इकाई - दो

भारतीय कला का विकास

भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय महत्व

इकाई - तीन

कला और हिन्दी साहित्य के संबंध की परम्परा

लोक कला और साहित्य

इकाई - चार

साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व

भारतीय नाट्य कला, उपन्यास कला, कहानीकला

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत कला का सामान्य परिचय प्राप्त कर अपने कलात्मकता को निखार पायेंगे।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम बिभिन्न कलाओं का अध्ययन कर भारतीय सास्कृतिक मूल्यों को पहचान कर लोकोन्मुखी जीवन के प्रति जागरूक हो सकेंगे।**
- **इस पाठ्यक्रम से कला और साहित्य के संबंधों को समझने में मदद मिलेगी।**

CBCS

Course Outcome for

GEC- 2 : पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी

इकाई - एक
अभिव्यंजनावाद
स्वच्छंदतावाद
इकाई - दो
मनोविश्लेषणवाद
मार्क्सवाद
इकाई -तीन
आधुनिकतावाद
संरचनावाद
इकाई - चार
कल्पना, बिंब, फैंटेसी, मिथक एवं प्रतीक

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी के पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख चिंतकों की विचारधारा, उनके सिद्धांतों के आलोचनात्मक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में आधुनिक पाश्चाचत्य सिद्धांतों एवम वादों का अध्ययन कर अपनी आलोचनात्मक दृष्टि तथा साहित्य की आलोचनात्मक पद्धितयों से परिचित हो साहित्य का मूल्यांकन कर सकेंगे।**

CBCS

Course Outcome for

AECC (MIL) : हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

इकाई - एक

भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप

हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण, अव्यय एवं संधि संबंधी

इकाई - दो

हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन

स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त

इकाई - तीन

व्यंजन के प्रकार : स्पर्श, अन्तस्थ, उष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष

वर्णों का उच्चारण स्थान : कंठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य, दन्तोष्ठ्य

इकाई - चार

हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य के भेद, वाक्य का रूपान्तर

भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, उसकी प्रकृति एवं विविध रूप को समझ पायेंगे**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा के व्याकरण संबंधी ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **भाषा सम्प्रेषण के माध्यमों - श्रवण-अभिव्यक्ति, वाचन-लेखन से परिचित हो सकेंगे ।**
- **हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य , वाक्य-भेद , भावार्थ और व्याख्या , बलाघात , संगम आदि भाषा संरचना की जानकारी से अवगत हो सकेंगे ।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

C C - 1(a) : हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई - एक

काल विभाजन, नामकरण

आदिकालीन काव्य धाराएँ - सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई - दो

भक्ति आन्दोलन - सामान्य परिचय, सामाजिक - सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

प्रमुख निर्गुण कवि , प्रमुख सगुण कवि , भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ

इकाई - तीन

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्टभूमि

रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि (केशव, बिहारी, घनानंद, भूषण का सामान्य परिचय)

इकाई - चार

हिन्दी नवजागरण, भारतेंदु युगीन साहित्य की विशेषताएँ

महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग , मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

COURSE OUTCOMES(POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कालखंड, हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं की समग्र जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल रीतिकाल एवं आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों को जान सकेंगे । साथ ही इस कालखंड के सभी महत्वपूर्ण कवियों से परिचित हो सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम से भारत के सांस्कृतिक विरासत के साथ- साथ राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में साहित्य की भूमिका को समझ सकेंगे।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

C C - 4(a) : मध्यकालीन हिन्दी कविता

इकाई - एक

कबीरदास - साखी - माया दीपक नर पतंग (2), चकई बिछुरी रैनि की(4), इस का दीवा करौं (5), अँखियन तौ झाँई पारी(7), तूं तूं करत तूं भया(8), संत न छौड़े संतई (9) अब घर जारा आपनां(11), कबीर सब जग ढूंढ़िया(12) कबीर कँवल प्रकासिया(15), निंदक नेरे राखिए (20) |

पद - पिया मोर मिलिया सत्त गियानी (1), संतौ भाई आई ग्यांन की आँधी रे(3), माया महा ठगिनी हम जानीं (6) |

इकाई - दो

सूरदास - विनय - माधौ जू , मन माया बस कीन्हौ (1), हरि बिनु अपनौ को संसार(4) , अब मैं नाच्यौं बहुत गुपाल (5)

भ्रमरगीतसार - सुनौ गोपी हरि कौ संदेस (2), अँखियाँ हरि दरसन की भूखीं(4), ऊधौ मन न भए दस-बीस (5), मधुबन तुम क्यौं रहत हरे? (6) ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं (7) |

इकाई - तीन

तुलसीदास - रामचरितमानस - गीता प्रेस, गोरखपुर, (किष्किन्धाकाण्ड से) :चौपाइयाँ - घन घमंड नभ गरजत घोरा(1), बरषहिं जलद भूमि निअराएँ (2),छुद्र नदी भरि चलीं तोराई(3), समिटि समिटि जल भरहिं तलावा(4),

दोहा - हरित भूमि तृन संकुल (14) , दोहा - कबहुँ दिवस मह निबिड़ तम(15 ख)

चौपाइयाँ - दादुर धुनि चहु दिसा सुहाई(1), अर्क जवास पात बिनु भयऊ (2),

ससि संपन्न सोह महि कैसी (3), महावृष्टि चलि फूटि कियारीं (4)

इकाई - चार

बिहारी -

दोहा - मेरी भव बाधा हरौ(1) , नीकी दई अनाकनी(2) , अजौ तरयौना हीं रहयौ (3), जम-करि-मुँह-तरहरि परयौ (8), तो पर बारौं उरबसी (9), लौनै मुहु दीठी न लगै(10), कहत,नटत ,रीझत ,खिझत(11), कौन भाँति रहिहै बिरदु (12), नहिं परागु नहिं मधुर मधु (13), कब को टरतु दीन रट(19), तंत्री- नाद कवित्त -रस (22) |

COURSE OUTCOMES (POS)

- विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी की प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, बिहारी आदि के कविताओं को पढ़कर समाज की लोक-कल्याणकारी भावना, भक्ति तथा रीतिकालीन समाज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य का ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे ।

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

C C - 7(A) : आधुनिक हिन्दी कविता

इकाई - एक

जयशंकर प्रसाद - अरूण यह मधुमय देश हमारा, भारतवर्ष

इकाई - दो

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - तोड़ती पत्थर ,स्नेह निर्झर बह गया, बांधो न नाव

इकाई - तीन

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - सोन मछली , साम्राज्ञी का नवैद्य-दान

इकाई - चार

नागार्जुन - बहुत दिनों के बाद, अकाल और उसके बाद, कालिदास, सिंदूर तिलकित भाल

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी के भारतेन्दु-युगीन, द्विवेदी-युगीन, छायावाद-युगीन, प्रगतिवादी तथा प्रयोगवादी कवियों की कविताओं से परिचित हो सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी छायावाद-युगीन प्रमुख कवियों - प्रसाद, निराला, अज्ञेय, नागार्जुन की प्रसिद्ध कविताओं का गहन रूप में अध्ययन कर युगीन समाज का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

SEC -1 : कार्यालयी हिन्दी

इकाई - एक

कार्यालयी हिन्दी - अभिप्राय तथा उद्देश्य ,

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

इकाई - दो

सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी : सम्बन्ध तथा अंतर

कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ

इकाई - तीन

कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली, कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिचय, अनुस्मारक,पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएं, निविदा आदि), आवेदन लेखन

इकाई - चार

टिप्पण(नोटिंग) स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकार, विशेषता और संक्षेपण की विधि

COURSE OUTCOMES

- **विद्यार्थी कार्यालयी हिन्दी को पढ़ते हुए उसके विभिन्न प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे।**
- **विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन करते हुए सामान्य हिंदी और कार्यालयी हिन्दी के विविध रूपों को जान एवं समझ सकेंगे।**
- **कार्यालयी हिन्दी का अध्ययन करते हुए कार्यालयी हिंदी, पत्राचार, पारिभाषिक शब्दावली इत्यादि के संबंध में ज्ञान अर्जित कर भविष्य में राजभाषा अधिकारी, अनुवाद आदि की परीक्षा में सफल हो सकेंगे।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

C C - 10(a) : हिन्दी गद्य साहित्य

इकाई - एक

उपन्यास : त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार

इकाई - दो

कहानी : नामक का दरोगा - मुंशी प्रेमचंद

आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद

इकाई - तीन

कहानी : परदा - यशपाल

वापसी - उषा प्रियंवदा

इकाई - चार

निबंध : लोभ और प्रीति - रामचन्द्र शुक्ल

कुटज - हजारी प्रसाद द्विवेदी

COURSE OUTCOMES (POS)

- विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत - उपन्यास कहानी , निबंध विधाओं का समग्रता में अध्ययन प्राप्त कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी गद्य विधा के अंतर्गत सम्मिलित उपन्यास कहानी, निबंध विधाओं के माध्यम से सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में सम्मिलित गद्य के आधार पर गद्य विधा की शिल्प को समझ सकेंगे ।

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

SEC -2 : चलचित्र लेखन

इकाई - एक

भारतीय सिनेमा का इतिहास

हिन्दी की आरंभिक मूक और सवाक फिल्में

इकाई - दो

विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिन्दी फिल्में, लोकप्रिय फ़िल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद

प्रमुख निर्देशेक एवं अभिनेता (दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त)

इकाई - तीन

हिन्दी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास ,संवाद लेखन-प्रणाली या प्रविधि

हिन्दी में निर्मित विज्ञापन फिल्में (एड्-फिल्में)

इकाई - चार

हिन्दी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका

हिन्दी की प्रमुख फ़िल्मों के आधार पर भाषिक संरचना का व्यावाहरिक प्रशिक्षण- देवदास (तीनों निर्मितियाँ) तथा शोले

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के भारतीय सिनेमा का इतिहास सहित भारतीय सिनेमा के प्रमुख आयाम से परिचित हो सकेंगे।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन कर पटकथा लेखन, विज्ञापन निर्माण, फिल्म समीक्षा की कला को सीख भविष्य में चलचित्र उद्योग में आगे बढ़ सकेंगे।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

SEC -2 : भाषा शिक्षण

इकाई - एक

हिन्दी भाषा एवं शब्द भंडार - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम

भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर - प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थानों में, हिंदीत्तर भाषियों, विभाषियों - विदेशियो के बीच द्वितीय भाषा के रूप में

इकाई - दो

भाषा विज्ञान के मूलाधार - व्याकरण बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण

पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढ़ार्थवाची, संश्रुति, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म

इकाई - तीन

देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्टय, देवनागरी की वैज्ञानिकता

इकाई - चार

हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन, हिन्दी भाषा का भविष्य

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के शब्द भंडार, व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर हिंदी भाषा में होने वाले सामान्य तथा विशेष अशुद्धुयों से बच सकेंगे।**
- **इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी देवनागरी लिपि की विशेषता और वैज्ञानिता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**
- **साथ ही इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच अंतर का ज्ञान और हिंदी के उज्जवल भविष्य की जानकारी प्राप्त होगी।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

SEC -4 : भाषा कम्प्यूटिंग

इकाई - एक

कम्प्यूटर का परिचय और विकास, कम्प्यूटर में हिन्दी का आरंभ एवं विकास,
हिन्दी के विविध फाँट, कम्प्यूटर में हिन्दी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

इकाई - दो

मल्टीमीडिया की कार्य प्रणाली
कम्प्यूटर में डाटा प्रविष्ट , स्मृति (मेमोरी), सूचना संग्रहण
सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरुप

इकाई - तीन

संचार प्रौद्योगिकी की प्रयोजनीय शब्दावाली
संचार भाषा के रूप में हिन्दी की उपलब्धियाँ

इकाई - चार

कम्प्यूटर में हिन्दी के विभिन्न अनुप्रयोग
रेडियो और टेलीविजन के कम्प्यूटर साधित कार्यक्रम

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम आधुनिक जनसंचार माध्यम कम्प्यूटर का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**
- **हिंदी और कम्प्यूटर का संबंध, कम्प्यूटर की कार्य-प्रणाली का ज्ञान, संचार भाषा के रूप में हिंदी की चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ तथा कम्प्यूटर में हिन्दी के विभिन्न अनुप्रयोग विद्यार्थी को तकनीकि क्षेत्र में सक्षम बनेने में सहायक होंगे।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

DSE - 1 : सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला\

इकाई - एक

कविताएँ : सखि , वसन्त आया, जूही की कलि

इकाई - दो

जागो फिर एक बार - 2, बादल राग- 2

इकाई - तीन

वर दे वीणावदनी वर दे, गहन है यह अन्धकार

इकाई - चार

कथा साहित्य :

बिल्लेसुर बकरिहा

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस विशिष्ठ पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी के प्रमुख छायावादी कवि निराला की कविताओं सहित उनके कथा साहित्य की विशिष्ठ जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **तात्कालीन राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम सहित भारतीय समाज की बनावट और बुनावट अध्ययन कर विद्यार्थी अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्य तथा राष्ट्रीय समक्ष को विकसित कर सकेंगे।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

DSE - 3 : हिन्दी निबंध

इकाई - ए

रामचंद्र शुक्ल : कविता क्या है?

इकाई - दो

हजारीप्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल

इकाई - तीन

हरिशंकर परसाई - पगडण्डियों का जमाना

इकाई - चार

कुबेरनाथ राय : एक महाकाव्य का जन्म

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे साथ ही इस विधा के उद्भव और विकास की जानकारी ग्रहण कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक संबंध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **विद्यार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे ।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

DSE - 3 प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई - एक

प्रयोजनमूलक हिन्दी : अभिप्राय, उपयोगिता और प्रयोगात्मक क्षेत्र ।

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग और क्षेत्र ।

इकाई - दो

हिन्दी के विभिन्न रूप : बोलचाल की भाषा, सृजनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा और संचार भाषा ।

जनसंचार माध्यम का समाज के लिए महत्व और प्रभाव ।

इकाई - तीन

अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप और महत्व, अनुवाद की समस्याएँ ।

हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद

इकाई - चार

विविध संचार माध्यम : समाचार पत्र, रेडियो, दूरदर्शन, सिनेमा, इंटरनेट का परिचय और महत्व ।

पत्र लेखन : कार्यालयीन, सरकारी, व्यवसायिक ।

COURSE OUTCOMES

- **विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी को पढ़ते हुए उसके विभिन्न प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे।**
- **विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन करते हुए मातृभाषा एवं भाषा के विविध रूपों को जान एवं समझ सकेंगे।**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम से अनुवाद की भूमिका, महत्व सहित अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**
- **प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन करते हुए विविध संचार माध्यम जैसे समाचार पत्र, रेडियो, दूरदर्शन, सिनेमा, इंटरनेट का परिचय और महत्व को समझ सकेंगे।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

DSE - 4 समकालीन हिन्दी कविता

इकाई - एक

धूमिल - मोचीराम, गाँव, रोटी और संसद ।

रघुवीर सहाय - हँसो हँसो जल्दी हँसो, रामदास, दो अर्थ का भय ।

इकाई - दो

केदारनाथ सिंह - बिना नाम की नदी, फर्क नहीं पड़ता, दाने ।

ओमप्रकाश वाल्मीकि - जाति अहंकार, भाग्यविधाता, सपने ।

इकाई - तीन

त्रिलोचन - सहस्रदल कमल, समय यात्रा, पैरों के आस-पास ।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - सौन्दर्यबोध, तुम्हारे साथ रहकर ।

इकाई - चार

शमशेर बहादुर सिंह - बात बोलेगी, घिर गया समय का रथ ।

भवानी प्रसाद मिश्र - सन्नाटा, टूटने का सूख ।

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्य-क्रम के अंतर्गत विषय के रूप में हिन्दी की छायावादोत्तर कविता में समकालीन कविता का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **समकालीन कविता के अध्ययन से स्वाधीन भारत का असली चेहरा, मध्यवर्गीय विड़म्बना, प्रगतिशील विचारधारा तथा साहित्य की इन सब में भूमिका को समझने में मदद मिलेगी।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

C C -3(MIL): हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

इकाई - एक

हिन्दी व्याकरण और रचना - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय

शब्दों का लिंग निर्णय, 'ने' प्रयोग के नियम

इकाई - दो

पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ, पल्लवन एवं संक्षेपण

इकाई - तीन

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व, सम्प्रेषण के प्रकार, माध्यम एवं तकनीक

इकाई - चार

साक्षात्कार, भाषण कला, रचनात्मक लेखन

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, उसकी प्रकृति एवं विविध रूप को समझ पायेंगे |**
- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा के व्याकरण संबंधी ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **साक्षात्कार, रचनात्मक लेखन से उनका लेखन कौशल का विकास होगा।**

CBCS PROGRAMME

Course Outcome for

C C -9(MIL) : हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

इकाई - एक

भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप

हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण, अव्यय एवं संधि संबंधी

इकाई - दो

हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन

स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त

इकाई - तीन

व्यंजन के प्रकार : स्पर्श, अन्तस्थ, उष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष

वर्णों का उच्चारण स्थान : कंठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य, दन्तोष्ठ्य

इकाई - चार

हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य के भेद, वाक्य का रूपान्तर

भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन

COURSE OUTCOMES (POS)

- **विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा के व्याकरण संबंधी ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **भाषा सम्प्रेषण के माध्यमों - श्रवण-अभिव्यक्ति, वाचन-लेखन से परिचित हो सकेंगे ।**
- **हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य , वाक्य-भेद , भावार्थ और व्याख्या , बलाघात , संगम आदि भाषा संरचना की जानकारी से अवगत हो सकेंगे ।**
- **इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों के रचनात्मक कौशल का विकास होगा।**